58

प्रारुप–33

परियोजना का नामः– प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड मोरी में ओडाटा से सरास मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

(प्रस्तावित स्थल की भू–वैज्ञानिक द्वारा निर्गत अद्यतन निरीक्षण आख्या प्राप्त कर संलग्न की जाय।)
आख्या संलग्न की गयी है।

ह0 / –
(भू–वैज्ञानिक)
नाम व मुहर सहित

जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी में प्र0 ग्रा0 सड़क योजना के अन्तर्गत ओडाटा से सरास मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी में 250 से 499 की जनसंख्या की असंयोजित बसावट सरास को बारहमासी सम्पर्क मार्ग से संयोजित करने हेतु चयनित किया गया है। अतः सिंचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग पुरोला के अन्तर्गत 6.00 कि0 मी0 लम्बाई में ओडाटा से सरास मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।
2. ओडाटा से सरास तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। ये समरेखन खूनीगाड–सरास मोटर मार्ग के कि0 मी0 18 (17/31) से प्रारम्भ होकर सरास तक पहुंचते हैं। समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग की लंबाई व लागत कम होने तथा इसमें बैण्डस भी कम होने के कारण समरेखन संख्या एक को मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है। प्रारम्भिक बिन्दू से सरास तक समरेखन की लम्बाई 6.00 कि0 मी0 है, तथा इसमें मात्र तीन हेयर पिन बैण्ड्स की आवश्यकता है। ये बैण्ड्स भी समान्यतः दूर–दूर (3/37, 4/6 तथा 5/10) नियोजित है। इस मार्ग से ग्रम पेतड़ी व सरास लाभान्वित होंगे। मार्ग के निर्माण हेतु 1.53है0 आरक्षित वन भूमि एवं शेष सिविल एवं नाप भूमि की आवश्यकता होगी। नाप भूमि में ढलान 20^0 से 35^0 के मध्य है, जबकि वन भूमि का ढलान इससे तीव्र है। समरेखन क्षेत्र में संधि युक्त शीस्ट एवं क्वार्टजाइट चट्टान है तथा स्थान–स्थान पर इनके ऊपर ओवरबर्डन मैटिरियल है।
3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू– आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित समरेखन के अनुसार मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडा़ई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टेक्नीक से कराया जा सकता है, किन्तु फिलिंग मैटिरियल की गुणवत्ता एवं रिटेनिंग दीवार के डिजाइन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइंट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानी पूर्वक बनाये जायें।

(घ) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये।

(ड.) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(च) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैंड्स पर, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) वर्षा के पानी के समुचित निकासी हेतू रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जाये।

(ज) कटिंग के दौरान निकले हुए मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जायें। खड्ड साईड में फेकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(झ) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिए निर्धारित सिविल अभियान्त्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4. प्र.ग्रा. सड़क योजना में ओडाटा से सरास मोटर मार्ग हेतू 6.00 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar
21.8.15
(हर्ष कुमार),
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0),
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।